Department : HINDI		
Academic Year : 2023-24		
Sr. No.	**Programme Code**	**Name of the Programme**
01.		BA IV SEM

Sr. No.	Name of the Student	Title of the Project / Internship	Page No.
1.	आदर्श कुमार	बलि प्रथा : एक अभिशाप	3-6
2.	शुभम कश्यप	फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यास पलटू बाबू रोड का विश्लेषण	7-10
3.	आदिती तिवारी	प्रेमचंद की स्त्री दृष्टि : निर्मला उपन्यास के संदर्भ में	11-14
4.	अनिल गुप्ता	प्रेमचंद के उपन्यास कायाकल्प में सामाजिक चेतना	15-18
5.	अंकित धुर्वे	प्रेमचंद के साहित्य में स्वाधीनता के स्वर	19-22
6.	अंकित कुमार	"सारा आकाश" उपन्यास में मध्यवर्गीय समाज का विघटन	23-26
7.	आस्था ठाकुर	आज बाजार बन्द है में वैश्या जीवन का अध्ययन	27-30
8.	धीरज कुमार	जूठन आत्मकथा में अभिव्यक्त सामाजिक जीवन	31-34
9.	जुगेश प्रधान	हरिशंकर परसाई की स्त्री चेतना : तट की खोज के विशेष संदर्भ में	35-38
10.	करन सिंह	गोदान उपन्यास और प्रेमचंद	39-42
11.	करिश्मा	गबन में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ	43-46
12.	ममता कुशवाहा	उत्कोच का समाजशास्त्रीय अध्ययन	47-50
13.	नवीन कुमार	जम्मू और कश्मीर व छत्तीसगढ़	51-56
14.	राजीव सिंह	छिन्नमस्ता में अभिव्यक्त वर्तमान स्त्री की दशा	57-60
15.	राजेश्वर	अपनी-अपनी बीमारी में संकलित व्यंग्य रचनाएं	61-64
16.	सहाबुद्दीन मंसूरी	महाभोज : दलित जीवन की दारुण कथा	65-68
17.	शौर्य फ़रवी	आधुनिक जीवन की बिडम्बना : दौड़ उपन्यास के संदर्भ में	69-72
18.	आर्या साहू	दोहरे अभिशाप की व्यथा-कथा	73-76
19.	शुभांश सैनी	वर्तमान संदर्भों में किन्नर विमर्श : मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी के संदर्भ में	77-81
20.	सुरेन्द्र कुमार	समकालीन हिंदी गजल	82-85
21.	वैभव वत्स	पाप-पुण्य के संदर्भ में 'चित्रलेखा' उपन्यास का मूल्यांकन	86-89
22.	वर्षा साहू	शृंखला की कड़ियाँ में स्त्री विमर्श	90-93
23.	प्रिंस खरवार	जयशंकर प्रसाद का सौन्दर्य विधान	94-97
24.	अनिरुद्ध धुर्वे	हिंदी कहानियों में प्रेम का रूप	98-100

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

बलि प्रथा: एक अभिशाप

स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

Adarsh Kumar
प्रस्तुतकर्ता
आदर्श कुमार
स्नातक हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/22/00203

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with Car

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **आदर्श कुमार** ने मेरे मार्गदर्शन में **"बलि प्रथा: एक अभिशाप"** विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान: हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक: 30/09/2024

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with CamScanner

घोषणा पत्र

मैं, **आदर्श कुमार** यह घोषणा करता हूं कि **"बलि प्रथा: एक अभिशाप"** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना- कार्य मैंने डॉक्टर मुरली मनोहर सिंह, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक: 30/09/2024

Adarsh kumar

प्रस्तुतकर्ता

आदर्श कुमार

स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर छत्तीसगढ़

नामांकन संख्या- GGV/22/00203

अनुक्रमांक- 22004103

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with C

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
प्रमाण-पत्र	1
घोषणा-पत्र	2
आभार	3
प्रस्तावना	4
प्रथम अध्याय: भारत में बलि प्रथा की परंपरा	6-23
1.1- वैदिक संदर्भ	
1.2- पौराणिक संदर्भ	
1.3- विभिन्न धर्मों में बलि प्रथा	
1.4- भारत के इतिहास में राजाओं द्वारा बलि प्रथा	
1.5- लोक संदर्भ के माध्यम से मेरा संदर्भ	
द्वितीय अध्याय: बलि प्रथा निवारण संबंधी प्रयास, आंदोलन एवं विधान।	24-29
तृतीय अध्याय: समकालीन समय में बलि प्रथा की स्थिति	30-32
3.1- वीगन	
उपसंहार	33
संदर्भ-सूची	34

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यास पल्टू बाबू रोड का विश्लेषण

स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
शुभम कश्यप
स्नातक हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/22/00223

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **शुभम कश्यप** ने मेरे मार्गदर्शन में **"फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यास पल्टू बाबू रोड का विश्लेषण"** विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 30/08/2024

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with C

घोषणा-पत्र

मैं, **शुभम कश्यप** यह घोषणा करता हूं कि **"फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यास पल्टू बाबू रोड का विश्लेषण"** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशत: या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने डॉक्टर मुरली मनोहर सिंह, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 30/08/2024

प्रस्तुतकर्ता

शुभम कश्यप

स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर छत्तीसगढ़

नामांकन संख्या- GGV/22/00223

अनुक्रमांक- 22004123

Scanned with Cam

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
प्रमाण-पत्र	1
घोषणा पत्र	2
आभार	3
प्रस्तावना	4
1. प्रथम अध्याय: जीवन वृतांत	6-20
1.1 फणीश्वरनाथ रेणु का व्यक्तित्व	
1.2 फणीश्वरनाथ रेणु के अनसूने किस्से	
1.3 फणीश्वरनाथ रेणु का कृतित्व	
2.द्वितीय अध्याय: उपन्यास की कथावस्तु	21-28
2.1 पात्र परिचय	
2.2 चरित्र चित्रण	
2.3 उच्च वर्ग के व्यक्तित्व में गिरावट	
2.4 राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में यौन व्यापार	
3. तृतीय अध्याय: प्रासंगिकता	29-30
उपसंहार	31

Scanned with CamSc

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रेमचंद की स्त्री दृष्टि निर्मला उपन्यास के संदर्भ में

स्नातक हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के छठे प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना-कार्य

सत्र: **2023-24**

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक हिन्दी
विभाग गु.घा.वि.वि,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह प्राध्यापक हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
अदिति तिवारी
स्नातक हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना.सां.**GGV/22/00201**

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम **2009** कंडिका **25** के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी. बिलासपुर.छत्तीसगढ़

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned w

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अदिति ने मेरे मार्गदर्शन में प्रेमचंद की स्त्री दृष्टि निर्मला उपन्यास के संदर्भ के विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है यह परियोजना कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है जिसमें मैं विश्वविद्यालय के शोध पर परियोजना संबंध सभी नियमों का पालन किया गया है

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करती है

स्थान हिन्दी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

दिनांक 3-9-24

मार्गदर्शन

डॉ गौरी त्रिपाठी

सहायक प्रधानाध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर(छ,ग)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, अदिति यह घोषणा करती हूँ कि " प्रेमचंद की स्त्री दृष्टि निर्मला उपन्यास " के विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक: 3-9-24

प्रस्तुतकर्ता

अदिति

स्नातक हिंदी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with C

(अनुक्रमणिका)

अध्याय 1(1-15)

(1) परिचय

(2) प्रेमचंद पूर्व युग

(3) प्रेमचंद युग

(4) प्रेमचंदोत्तर युग

अध्याय 2(16-22)

निर्मला उपन्यास की समस्या

(1) दहेज प्रथा
(2) अनमेल विवाह
(3) बाल विवाह

अध्याय 3(23-27)

(1)निर्मला उपन्यास की कथावस्तु

. मुख्य कथा

. उप कथा

(2)कथावस्तु के गुण

. मौलिकता

. संवेगात्मकता

. रोचकता

Scanned with Cam

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रेमचंद के उपन्यास "कायाकल्प" में सामाजिक चेतना

स्नातक हिंदी(चतुर्थ सेमेस्टर) के छठे प्रश्नपत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना-कार्य

सत्र:2023-24

मार्गदर्शक
डॉ.अतुल कुमार
नथर्त प्राध्यापक हिंदी विभाग
गु. घा. वि. , बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग
गु. घा. वि. , बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
अनिल गुप्ता
स्नातक हिंदी
चतुर्थ सेमेस्टर
GGV/22/00205

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविधालय अधिनियम 2009 कंडिका 25 के अंतगंत स्थापित केंद्रीय विश्वविधालय)
कोनी,बिलासपुर छत्तीसगढ़

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with C

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अनिल ने मेरे मार्गदर्शन में "प्रेमचंद के उपन्यास कायाकल्प में सामाजिक चेतना " विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक: 03-09-2024

मार्गदर्शक
डॉ.तथर्त अतुल कुमार प्राध्यापक,
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय कोनी
बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with C

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, अनिल यह घोषणा करत हूँ कि " प्रेमचंद के उन्यास कायाकल्प में सामाजिक चेतना " के विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने डॉ. अतुल कुमार, तथर्त प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करत हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक: 03-09-2024

प्रस्तुतकर्ता
अनिल गुप्ता
स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर,
हिन्दी विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन सं. GGV/22/00205

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with C

अनुक्रमणिका

- अध्याय 01 प्रेमचंद्र का जीवन एवं कृतित्व
  - जीवन
  - कृतित्व

-अध्याय 02 हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास
  - प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास
  - प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास
  - प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास

-अध्याय 03 कायाकल्प में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना
  - धार्मिक स्थिति
  - सामाजिक स्थिति
  - राजनीतिक स्वरूप

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रेमचंद के साहित्य में स्वाधीनता के स्वर

सत्र 2024

अधिन्यास कार्य

मार्गदर्शक
डॉ अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ गौरी त्रिपाठी
सह प्राध्यापक
हिंदी विभाग

प्रस्तुतकर्ता
अंकित धर्वे
बीए हिंदी
चतुर्थ सेमेस्टर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर छत्तीसगढ़

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं अंकित धुर्वे यह घोषणा करता हूं कि "प्रेमचंद के साहित्य में स्वाधीनता के स्वर" विषय पर प्रस्तुत यह अधिन्यास कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है।इसे अंसतःया पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह कार्य मैंने डॉ. अतुल कुमार सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय(बिलासपुर छत्तीसगढ़) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

स्थान: बिलासपुर। प्रस्तुतकर्ता

दिनांक अंकित धुर्वे

बीए हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

अनुक्रमांक: 22004107

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अंकित धुर्वे ने मेरे मार्गदर्शन में "प्रेमचंद के साहित्य में स्वाधीनता के स्वर" विषय पर अपना अधिन्यास कार्य पूरा किया है। यह अधिन्यास कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

दिनांक: 30/08/2024

मार्गदर्शक: डॉ अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with

अनुक्रमणिका

१) प्रेमचंद का जीवन परिचय
२) प्रस्तावना
३) स्वाधीनता का आशय
५) प्रेमचंद के साहित्य में अंग्रेजों से स्वाधीनता का स्वर
४) किसानों के स्वाधीनता
६) स्त्रियों की स्वाधीनता
७)दिमागी गुलामी से आजादी
८)) दलित मुक्ति
९)सामंतवाद से मुक्ति
१०) उपसंहार

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.

Scanned with Ca

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

"सारा आकाश" उपन्यास में मध्यवर्गीय समाज का विघटन

स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

अंकित कुमार
प्रस्तुतकर्ता
अंकित कुमार
स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00208
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(NAAC GRADE : A ++)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं **अंकित कुमार**, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग के बी. ए. हिंदी(ऑनर्स) के चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र-2023-24 का नियमित छात्र हूँ।

मैं अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने अपने निर्देशक के मार्गदर्शन में यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय-योजना में **"सारा आकाश उपन्यास में मध्यवर्गीय समाज का विघटन"** तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 03-08-2024

प्रस्तुतकर्ता
अंकित कुमार अंकित कुमार
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
चतुर्थ सेमेस्टर
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with Can

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अंकित कुमार** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2023-24 में स्नातक हिंदी (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर के नियमित छात्र हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"सारा आकाश उपन्यास में मध्यवर्गीय समाज का विघटन"** शीर्षक विषय पर अधिन्यास-कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर (छ०ग०)

दिनांक:- 03-05-2024

मार्गदर्शक
03-05-24
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
सह – प्राध्यापक एवं अध्यक्ष

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 राजेंद्र यादव : कृतित्व एवं व्यक्तित्व	01-07
अध्याय- 2 मधायवर्गीय परिवार की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	08-25
अध्याय- 3 मध्यवर्गीय समाज में सामाजिक विघटन एवं पारिवारिक विघटन की त्रासदी का स्वरूप	26-43
अध्याय- 4 उपसंहार	44-45
संदर्भ सूची	46-47

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with C

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

"आज बाजार बंद है" में वेश्या जीवन का अध्ययन

स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के छठे प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना-कार्य

सत्र: 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
आस्था ठाकुर
स्नातक हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/22/00202

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned wit

घोषणा-पत्र

मैं, **आस्था ठाकुर** यह घोषणा करती हूँ कि **"आज बाजार बंद है" में वेश्या जीवन का अध्ययन"** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक 30/09/2024

प्रस्तुतकर्ता
आस्था ठाकुर
स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
नामांकन सं - GGV/22/00202
अनुक्रमांक - 21004102

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with C

प्रमाण - पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **आस्था ठाकुर** ने मेरे मार्गदर्शन में **"आज बाजार बंद है" में वेश्या जीवन का अध्ययन"** विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा–पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान: गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक 30/08/2024

मार्गदर्शक

डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned wit

अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र

प्रमाण-पत्र

आभार

भूमिका

प्रथम अध्याय - भारतीय समाज में वेश्या जीवन

1.1 वेश्या जीवन : सामान्य परिचय

1.2 उपन्यास की कथावस्तु

1.3 मोहनदास नैमिशराय की रचनाधर्मिता

द्वितीय अध्याय - "आज बाजार बंद हैं" उपन्यास में अभिव्यक्त वेश्या जीवन

2.1 वेश्यावृत्ति की समस्या

2.2 पुलिस और बाजार का गठजोड़

2.3 उपभोक्तावादी संस्कृति

तृतीय अध्याय - "आज बाजार बंद हैं" उपन्यास में अभिव्यक्त सामाजिक प्रतिरोध

3.1 प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण

3.2 अस्मिता बोध : मुक्ति की आकांक्षा

3.3 भाषा-शैली व शिल्प-विधान

उपसंहार

संदर्भ-सूची

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

'जूठन' आत्मकथा में अभिव्यक्त सामाजिक जीवन

स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र - अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
धीरज कुमार
बीए. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00211
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(NAAC GRADE : A ++)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scanned with

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, धीरज कुमार, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छ.ग.) के हिंदी विभाग के बी.ए. हिन्दी (ऑनर्स) के चतुर्थ सेमेस्टर,सत्र -2023-24 का नियमित छात्र हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन मे यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वयं **'जूठन' आत्मकथा में अभिव्यक्त सामाजिक जीवन'** तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 30/09/2024

Dhiraj Kum.

प्रस्तुतकर्ता
धीरज कुमार
बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी(ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

.....

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि धीरज कुमार गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2023-24 में चतुर्थ सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"जूठन आत्मकथा में अभिव्यक्त सामाजिक जीवन"** शीर्षक विषय पर अधिन्यास कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- 30/08/2024

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
सह – प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 दलित शब्द की अवधारणा	01-05
अध्याय- 2 आत्मकथा का विकास	06-08
अध्याय- 3 भारत में सामाजिक व्यवस्था	09-14
अध्याय- 4 आत्मकथा में सामाजिक स्थिति	15-27
अध्याय-5 उपसंहार	28-29

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

हरिशंकर परसाई की स्त्री चेतना "तट की खोज के विशेष संदर्भ में"

बीए. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र - अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
जुगेश प्रधान
बीए. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00213
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, जुगेश प्रधान , गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग के बी. ए. हिंदी(ऑनर्स) के चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र-2023-24 का नियमित छात्र हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन में यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वंय **"हरिशंकर परसाई की स्त्री चेतना 'तट की खोज' के विशेष संदर्भ में"** तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 30.08.2024

प्रस्तुतकर्ता
जुगेश प्रधान
बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी(ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

.....

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि जुगेश प्रधान गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2023-24 में चतुर्थ सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"हरिशंकर परसाई की स्त्री चेतना 'तट की खोज' के विशेष संदर्भ में"** शीर्षक विषय पर अधिन्यास कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- 30/09/2024

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-आचार्य
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
सह – प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 हरिशंकर परसाई: सामान्य परिचय	01-05
अध्याय- 2 हरिशंकर परसाई के व्यंग्य मे निहित सामाजिक विडंबना	06-19
अध्याय- 3 हरिशंकर परसाई की स्त्री चेतना	20- 41
अध्याय- 4 उपसंहार	42- 44
संदर्भ सूची	45- 46

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गोदान (उपन्यास) प्रेमचंद

बीए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र - अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

- सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
करन सिंह
बीए. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00214
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, करन सिंह, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग के बी. ए. हिंदी(ऑनर्स) के चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र-2023-24 का नियमित छात्र हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन में यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वंय **"गोदान (उपन्यास) प्रेमचंद "** तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 3/09/2024

Tiwary

प्रस्तुतकर्ता
करन सिंह
बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी(ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

.....

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि करन सिंह गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2023-24 में चतुर्थ सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"गोदान(उपन्यास) प्रेमचंद"** शीर्षक विषय पर अधिन्यास कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- 3/9/2024

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह – प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 सामान्य परिचय	
अध्याय- 2 'गोदान' चित्रित समस्याएं	
अध्याय- 3 प्रेमचंद के जीवन और उपन्यास पर प्रभाव	
अध्याय- 4 उपन्यास के केंद्रित प्रभाव	
अध्याय –5 निष्कर्ष	

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गबन में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ
(स्त्री के संदर्भ में)

स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के छठे प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना-कार्य

सत्र: 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
करिश्मा
स्नातक हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/22/00215

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

प्रमाण–पत्र	2
घोषणा–पत्र	3
आभार	4
भूमिका	5
अध्याय एक : भारतीय समाज का सामान्य परिचय	7-21
1.1 भारतीय समाज का सामान्य परिचय	
1.2 समाज में स्त्रियां : स्वरूप और संदर्भ	
1.3 साहित्य में समाज का चित्रण	
अध्याय दो : गबन में अभिव्यक्त स्त्री चेतना	23-33
2.1 गबन में चित्रित स्त्रियों का स्वरूप	
2.2 स्त्रियों का समाज : जालपा के संदर्भ में	
अध्याय तीन : गबन की सामाजिक-सामाजिक चेतना	35-46
3.1 संस्कृति में स्त्री	
3.2 परिवार में स्त्री	
3.3 गबन की भाषा व शिल्प विधान	
उपसंहार	48
संदर्भ-सूची	50

Scanned with CamScanner

प्रमाण–पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **करिश्मा** ने मेरे मार्गदर्शन में **"गबन में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ (स्त्री के संदर्भ में)"** विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा–पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक: 30/08/2024

मार्गदर्शक

डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा–पत्र

मैं, **करिश्मा** यह घोषणा करती हूँ कि **"गबन में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ (स्त्री के संदर्भ में)"** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध परियोजना संबंधीसभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक: 30/08/2024

प्रस्तुतकर्ता

करिश्मा

स्नातक चतुर्थ छठा सेमेस्टर, हिन्दी विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन सं. – GGV/22/00215
अनुक्रमांक – 22004115

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

उत्कोच का समाजशास्त्रीय अध्ययन

स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के छठे प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना-कार्य

सत्र: 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
ममता कुशवाहा
स्नातक हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/22/00216

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

प्रमाण–पत्र
घोषणा–पत्र
आभार
भूमिका
अध्याय एक : उत्कोच की कथावस्तु व औपन्यासिकता
1.1 भारतीय समाज का सामान्य परिचय
1.2 'उत्कोच' का सामान्य परिचय
1.3 आदर्शवाद और मानवीय मूल्य

अध्याय दो : सामाजिक अस्मिता का संदर्भ और उत्कोच
2.1 दलित अस्मिता और उत्कोच
2.2 स्त्री अस्मिता और उत्कोच
2.3 भ्रष्टाचार और उत्कोच

अध्याय तीन : उत्कोच में अभिव्यक्त भ्रष्टाचार
3.1 भ्रष्टाचार
3.2 युगीन परिस्थितियाँ
3.3 सामाजिक संरचना

उपसंहार
संदर्भ-सूची

Scanned with CamScanner

प्रमाण–पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **ममता कुशवाहा** ने मेरे मार्गदर्शन में **"उत्कोच का समाजशास्त्रीय अध्ययन"** विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है । यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा–पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है ।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं ।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक: 30/09/2024

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा–पत्र

मैं, **ममता कुशवाहा** यह घोषणा करती हूँ कि **"उत्कोच का समाजशास्त्रीय अध्ययन"** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है । यह शोध-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है ।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है ।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक: 30/08/2024

प्रस्तुतकर्ता
ममता कुशवाहा
स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन सं. – GGV/22/00216
अनुक्रमांक– 21004116

Scanned with CamScanner

जम्मू और कश्मीर व छत्तीसगढ

स्नातक हिंदी(चतुर्थ सेमेस्टर) के छठे प्रश्नपत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना-कार्य

सत्र:2023-24

मार्गदर्शक
डॉ.अतुल कुमार
तथर्त प्राध्यापक हिंदी विभाग
गु. घा. वि. , बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह- प्राध्यापक
~~सहायक~~ प्राध्यापक हिंदी विभाग
गु. घा. वि. , बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
Navin Kumar
नवीन कुमार
स्नातक हिंदी
चतुर्थ सेमेस्टर
GGV/22/00217

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविधालय अधिनियम 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविधालय)
कोनी,बिलासपुर छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र

प्रमाण-पत्र

प्रथम विषय - जम्मू और कश्मीर

प्रथम अध्याय में - 1.1 जम्मू और कश्मीर का इतिहास

1.2 दिल्ली समझौता

1.3 जम्मू और कश्मीर संविधान

1.4 अनुच्छेद 370

1.5 अनुच्छेद 35ए

1.6 विलय के बाद जम्मू और कश्मीर

द्वितीय विषय - छत्तीसगढ़

द्वितीय अध्याय में - 1.1 छत्तीसगढ़ का इतिहास

1.2 सरकार और समाज

1.3 संसाधन और शक्ति

1.4 उत्पादन

Scanned with CamScanner

तृतीय विषय - जम्मू और कश्मीर की संस्कृतितृतीय

तृतीय अध्याय में - 1.1 जम्मू और कश्मीर की संस्कृति का इतिहास

1.2 जम्मू और कश्मीर का भोजन

1.3 जम्मू और कश्मीर के लोगों की भाषा

1.4 जम्मू और कश्मीर का लोक संगीत और नृत्य

1.5 जम्मू और कश्मीर की सांस्कृतिक पोशाक

1.6 जम्मू और कश्मीर की कला और शिल्प

1.7 जम्मू और कश्मीर की कला और शिल्प

1.8 जम्मू और कश्मीर संस्कृति के बारे में रोचक

चौथा विषय। - छत्तीसगढ़ की संस्कृति

चौथा अध्याय में - 1.1 छत्तीसगढ़ में आदिवासी नृत्य

1.2 छत्तीसगढ़ में आदिवासी संस्कृति

1.3 छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

1.4 छत्तीसगढ़ के लोकगीत

1.5 छत्तीसगढ़ के लोक नृत्य

1.6 छत्तीसगढ़ में त्यौहार

1.7 गोंचा महोत्सव

1.8 बस्तर दशहरा

1.9 कजरी महोत्सव

Scanned with CamScanner

10 छत्तीसगढ़ की भोजन थाली

पांचवा विषय - छत्तीसगढ़ मेले

पांचवे अध्याय में - 1.1 शिवरीनारायण मेला

1.2 नारायणपुर मेला

1.3 चंपारण मेला

1.4 राजिम लोचन महोत्सव

संदर्भ-सूची

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, नवीन कुमार यह घोषणा करती हूँ कि "जम्मू और कश्मीर व छत्तीसगढ " विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना- कार्य मैंने डॉ अतुल कुमार , सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक : 30/08/2024

Navin Kumar

प्रस्तुतकर्ता
नवीनकुमार
स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरु घसीविश्वविद्यालय, बिलासपुर
नामांकन सं - **GGV/22/00217**
अनुक्रमांक - **22004117**

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण - पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि नवीन कुमार ने मेरे मार्गदर्शन में " जम्मू और कश्मीर व छत्तीसगढ " विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा- पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थानः गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक - 30/09/2024

मार्गदर्शक
डॉ.अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

छिन्नमस्ता में अभिव्यक्त वर्तमान स्त्री की दशा

बीए. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र - अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
राजीव सिंह
बीए. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00219
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(NAAC GRADE : A ++)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, राजीव सिंह, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग के बी. ए. हिंदी(ऑनर्स) के चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र-2023-24 का नियमित छात्र हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन में यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वंय **"छिन्नमस्ता में अभिव्यक्त वर्तमान स्त्री की दशा"** तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 30/08/2024

प्रस्तुतकर्ता
राजीव सिंह
बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी(ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

.....

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि राजीव सिंह गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2023-24 में चतुर्थ सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"छिन्नमस्ता में अभिव्यक्त वर्तमान स्त्री की दशा"** शीर्षक विषय पर अधिन्यास कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- 30/09/2024

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
सह – प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 भारतीय परिवेश में स्त्रियों की दशा	1-17
अध्याय- 2 स्त्री केन्द्रित उपन्यासों में स्त्री का चित्रण	18-26
अध्याय- 3 छिन्नमस्ता और आधुनिक स्त्री	27-36
अध्याय- 4 निष्कर्ष	37-38

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

अपनी-अपनी बिमारी में संकलित व्यंग्य रचनाएं

बी.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र - अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
राजेश्वर
बीए. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00220
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(NAAC GRADE : A ++)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं **राजेश्वर** यह घोषणा करता हूं कि **'हरिशंकर परसाई द्वारा रचित अपनी-अपनी बीमारी में संकलित व्यंग्य'** विषय पर प्रस्तुत यह अधिन्यास कार्य (बी.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र - अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु) मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे किसी भी विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस अधिन्यास कार्य को मैंने **डॉ. रमेश कुमार गोहे**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत अधिन्यास कार्य को पूर्ण करने में मैंने इससे सम्बंधित विश्वविद्यालय की नियमावली का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 03/09/2024

Rajeshwar
प्रस्तुतकर्ता

राजेश्वर
बी.ए. हिंदी विभाग
चतुर्थ सेमेस्टर, गु.घा.वि.वि.
बिलासपुर
ना. क्र. : GGV/22/00220
अनुक्रमांक : 22004120

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **राजेश्वर** ने मेरे मार्गदर्शन में **'हरिशंकर परसाई द्वारा रचित अपनी-अपनी बीमारी में संकलित व्यंग्य'** विषय पर अपना अधिन्यास कार्य पूर्ण किया है। यह अधिन्यास कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय की सम्बंधित नियमावली का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 03/09/2024

मार्गदर्शक

डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र	
प्रमाण पत्र	
आभार	
भूमिका	
प्रथम अध्याय : हरिशंकर परसाई का संक्षिप्त परिचय	
1.1 जन्म तथा पारिवारिक जीवन	
1.2 शिक्षा	
1.3 व्यवसाय	
1.4 सम्पादन	
1.5 उपाधियां एवं पुरस्कार	
1.6 कृतियां	
दूसरा अध्याय : साहित्यिक लगाव और रचनाधर्मिता	
2.1 साहित्यिक लगाव	
2.2 रचनाधर्मिता	
2.3 व्यंजना शैली की ओर झुकाव	
2.4 व्यंग्य प्रधान रचनाएं	
तीसरा अध्याय : अपनी-अपनी बिमारी में संकलित व्यंग्य रचनाएं	
3.1 अपनी-अपनी बिमारी में संकलित व्यंग्य रचनाएं	
3.2 भाषा और शैली	
चौथा अध्याय : उपसंहार	
संदर्भ-सूची	

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

महाभोज: दलित जीवन की दारुण कथा

बी.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र - अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

Shahabuddin Mansuri
प्रस्तुतकर्ता
शहाबुद्दीन मंसूरी
बीए. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00221
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, शहाबुद्दीन मंसूरी, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग में बी.ए.हिंदी(ऑनर्स) के चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र -2023-24 का नियमित छात्र हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन में यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वयं **'महाभोज: दलित जीवन की दारुण कथा'** तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 30/9/2024

Shahabuddin Mansuri
प्रस्तुतकर्ता
शहाबुद्दीन मंसूरी
बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)
हिंदी विभाग

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शहाबुद्दीन मंसूरी गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2023-24 में बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमान्तर्गत **'महाभोज: दलित जीवन की दारुण कथा'** शीर्षक विषय पर अधिन्यास कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- 30/08/2024

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक आचार्य
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 महाभोज का सामान्य परिचय उपन्यास की कथा वस्तु	01-08
अध्याय- 2 महाभोज: दलित जीवन की दारुण कथा बिसेसर का चरित्र चित्रण	09-20
अध्याय- 3 महाभोज: सामाजिक राजनीतिक प्रतिरोध	20-24
अध्याय- 4 महाभोज में जनता के ऊपर नेताओं की राजनीति	25-28
अध्याय- 5 उपसंहार	29-30
निष्कर्ष	31-32
संदर्भ सूची	33

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

आधुनिक जीवन की विडम्बना

दौड़ उपन्यास के संदर्भ में

स्नातक हिंदी(चतुर्थ सेमेस्टर) के छठे प्रश्नपत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना-कार्य

सत्र:2023-24

मार्गदर्शक
डॉ.गौरी त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग
गु. घा. वि. , बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग
गु. घा. वि. , बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
शौर्य फर्वी
स्नातक हिंदी
चतुर्थ सेमेस्टर
GGV/22/00222

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविधालय अधिनियम 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविधालय)
कोनी,बिलासपुर छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि शौर्य ने मेरे मार्गदर्शन में " आधुनिक जीवन की विडम्बना दौड़ उपन्यास के संदर्भ में " विषय पर अपना परियोजना-कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधीसभी नियमों का पालन किया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करती हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक: 3-9-2024.

मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, शौर्य यह घोषणा करता हूँ कि "आधुनिक जीवन की विडम्बना दौड़ उपन्यास के संदर्भ में" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध परियोजना संबंधीसभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक: 13-9-2024.

प्रस्तुतकर्ता

शौर्य फर्वी

स्नातक चतुर्थ छठा सेमेस्टर, हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

नामांकनसं. GGV/22/00222

अनुक्रमांक - 22004122

Scanned with CamScanner

अनुक्रमाणिका

- अध्याय - 1 : ममता कालिया का व्यक्तित्व। (6-8)
- अध्याय - 2 : दौड़ उपन्यास में वर्तमान के समय में मानवीय संबंधों का चित्रण । (9-12)
- अध्याय - 3 : भूमंडलीकरण और बाजारवाद का दबाव। (13-18)
- अध्याय - 4 : उपन्यास के माध्यम से महानगरों का जीवन परिदृश्य। (19-28)
- अध्याय - 5 : जीवन का बदलता परिदृश्य में विज्ञापन और बाज़ार का असर। (29-36)
- अध्याय - 6 : उपसंहार। (37-42)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

दोहरे अभिशाप की व्यथा-कथा

(सुशीला टाकभौरे के उपन्यास- वह लड़की के विशेष सन्दर्भ में)

बी.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र:अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
आर्या साहू
बी.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00209
रोल नंबर 22004109
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम-2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आर्या साहू ने मेरे मार्गदर्शन में 'दोहरे 'अभिशाप की व्यथा-कथा (सुशीला टाकभौरे के उपन्यास- वह लड़की के विशेष सन्दर्भ में)' बी.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र:- अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत अधिन्यास कार्य पूरा किया है। यह अधिन्यास कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित एवं निर्मित कार्य हैं, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान-बिलासपुर

दिनाँक- 3/9/2024

मार्गदर्शक
डॉ.रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि.कोनी बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, आर्या साहू यह घोषणा करती हूँ कि 'दोहरे अभिशाप की व्यथा-कथा (सुशीला टाकभौरे के उपन्यास- वह लड़की के विशेष सन्दर्भ में)' बी.ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र:- अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत अधिन्यास कार्य है। यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह अधिन्यास कार्य मैंने डॉ.रमेश कुमार गोहे, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं यह घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत अधिन्यास कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान – बिलासपुर
दिनांक - 3/9/2024

प्रस्तुतकर्ता
आर्या साहू
चतुर्थ सेमेस्टर हिन्दी विभाग गु.घा.वि.वि.
कोनी बिलासपुर (छ.ग.)
ना. क्र. – GGV/22/00209
अनुक्रमांक-22004109)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

प्रमाण-पत्र	
घोषणा-पत्र	
आभार	
भूमिका	
अध्याय एकः उपन्यासकार सुशीला टाकभौरे का जीवन परिचय	
1.1 व्यक्तित्वः सामान्य परिचय	
1.2 कृतित्वः सामान्य परिचय	
1.3 डॉ.सुशीला टाकभौरे का स्त्री पात्र चरित्र चित्रण	
अध्याय दोः वह लड़की उपन्यास में स्त्री विमर्श के विभिन्न पहलू	
2.1 भारतीय समाज में स्त्री की स्थिति	
2.2 परिवार में स्त्री का मान	
2.3 स्त्रियों द्वारा स्त्रियों पर अत्याचार	
अध्याय तीनः वह लड़की उपन्यास में ग्राम्य जीवन और उसकी त्रासदियाँ	
3.1 स्त्रियों की अशिक्षा	
3.2 खान-पान और स्वास्थ्य की व्यवस्था	
3.3 ग्राम्य जीवन में छुआछूत और जाति प्रथा	
अध्याय चार वह लड़की उपन्यास में दलित जीवन की त्रासदियाँ	
4. 1 सवर्णों द्वारा जाति भेदभाव का वर्णन	
4.2 अस्पृश्यता और बेचारी	
4.3. अनमेल विवाह और मजबूरियाँ	
उपसंहार	
संदर्भ सूची	

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

वर्तमान संदर्भों में किन्नर विमर्श (मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी के संदर्भ में)

स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र - अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
शुभांश कुमार सैनी
बीए. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00224
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, शुभांश कुमार सैनी , गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग के बी. ए. हिंदी(ऑनर्स) के चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र-2023-24 का नियमित छात्र हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन में यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वंय **"वर्तमान संदर्भों में किन्नर विमर्श (मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी के संदर्भ में)"** तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 30.08.2024

प्रस्तुतकर्ता
शुभांश कुमार सैनी
बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी(ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शुभांश कुमार सैनी गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2023-24 में चतुर्थ सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"वर्तमान संदर्भों में किन्नर विमर्श (मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी के संदर्भ में)"** शीर्षक विषय पर अधिन्यास कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- 30/09/2024

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-आचार्य
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
सह – प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय एक	**1-4**
किन्नर समुदाय का सामान्य परिचय	
1.1 किन्नर:शब्द,अर्थ एवं अवधारणा	
1.2 लिंग की अवधारणा	
संदर्भ सूची	
अध्याय दो	**5-13**
हिंदी साहित्य में किन्नर समाज	
2.1 हिंदी साहित्य में किन्नर विमर्श	
2.2 हिंदी उपन्यास में किन्नर जीवन	
2.3 हिंदी आत्मकथा में किन्नर जीवन	
संदर्भ सूची	
अध्याय तीन	**14-24**
किन्नर समुदाय की परिस्थितियां (मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी आत्मकथा के संदर्भ में)	
3.1 पारिवारिक परिस्थितियां	
3.2 आर्थिक परिस्थितियां	
3.3 सामाजिक परिस्थितियां	
3.4 संस्कृति और रीति-रिवाज	

Scanned with CamScanner

3.5 कानूनी और राजनीतिक परिस्थितियां

3.5.1 भारतीय न्याय पालिका और किन्नर समुदाय

3.5.2 द राइट ऑफ ट्रांसजेंडर पर्सस बिल 2014

3.5.3 किन्नर: प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स बिल 2016

संदर्भ सूची

अध्याय चार **25**

उपसंहार

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

समकालीन हिंदी ग़ज़ल

बी. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र - अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्रा
सहायक अध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सुरेन्द्र कुमार
बी. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00227
अनुक्रमांक - 22004127
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC GRADE : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, सुरेन्द्र कुमार, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिंदी विभाग के बी. ए. हिंदी(ऑनर्स) के चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र-2023-24 का नियमित छात्र हूँ।

मैं, अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने मार्गदर्शक के निर्देशन में यह अधिन्यास कार्य, संभावित अध्याय योजना में स्वंय **"समकालीन हिंदी गज़ल"** तैयार किया है।

स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक: 30/08/2024

प्रस्तुतकर्ता
सुरेन्द्र कुमार
बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर
स्नातक हिन्दी(ऑनर्स)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

.....

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुरेन्द्र कुमार गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2023-24 में चतुर्थ सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"समकालीन हिंदी ग़ज़ल"** शीर्षक विषय पर अधिन्यास कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- 30/09/2024

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्रा
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
सह – प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 ग़ज़ल का सामान्य परिचय	1-3
अध्याय- 2 हिंदी ग़ज़ल की परंपरा	4 -11
अध्याय- 3 ग़ज़ल का शिल्प- विधान	12-14
अध्याय- 4 समकालीन हिंदी ग़ज़ल	15-22
अध्याय -5 निष्कर्ष	23-24

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

पाप-पुण्य के संदर्भ में

"चित्रलेखा" उपन्यास का मूल्यांकन

स्नातक हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र:2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
वैभव वत्स
स्नातक हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
ना.स.GGV/22/00228

हिन्दी-विभाग
कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) कोनी,बिलासपुर, छ.ग.

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

प्रमाण-पत्र	2
घोषणा-पत्र	3
आभार।	4
प्रस्तावना	5
अध्याय 1: भगवती चरण वर्मा व्यक्तित्व एवं कृतित्व	7-12
1.1 व्यक्तित्व	
1.2 कृतित्व	
अध्याय 2: चित्रलेखा उपन्यास में वर्णित चरित्र का सामान्य परिचय	13-28
2.1 चित्रलेखा उपन्यास में वर्णित स्त्रीपात्र	
2.2 चित्रलेखा उपन्यास में वर्णित पुरुषपात्र	
2.3 चित्रलेखा उपन्यास में वर्णित चरित्रों की सामाजिक स्थिति	
अध्याय 3: पाप और पुण्य के संदर्भ में चित्रलेखा उपन्यास का मूल्यांकन	29-34
3.1 पाप एवंपुण्य की अवधारणा	
3.2 पाप एवं पुण्य के संदर्भ में चित्रलेखा की विवेचना	
3.3 निष्कर्ष	
अध्याय 4: उपसंहार	35

Scanned with CamScanner

प्रमाण-पत्र..

यह प्रमाणित किया जाता है कि वैभव वत्स ने मेरे मार्गदर्शन में "पाप और पुण्य के संदर्भ में चित्रलेखा उपन्यास का मूल्यांकन" विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 03-09-2024

मार्गदर्शक

डॉ. अखिलेश गुप्ता

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

घोषणा पत्र

मैं, वैभव वत्स यह घोषणा करता हूं कि "पाप और पुण्य के संदर्भ में चित्रलेखा उपन्यास का मूल्यांकन" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशत: या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना- कार्य मैंने डॉ अखिलेश गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक : 03-09-2024

Vaibhav Vatsa

प्रस्तुतकर्ता

वैभव वत्स

स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर, छत्तीसगढ़

नामांकन संख्या- GGV/22/00228

अनुक्रमांक- 22004128

Scanned with CamScanner

श्रृंखला की कड़ियाँ में स्त्री विमर्श

स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

Varsha
प्रस्तुतकर्ता
वर्षा साहू
स्नातक हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)
ना. क्र.- GGV/22/00229
हिन्दी विभाग, गु.घा.वि.वि.,बिलासपुर

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशालाण

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(NAAC GRADE : A ++)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं वर्षा साहू यह घोषणा करती हूं कि "महादेवी वर्मा की श्रृंखला की कड़ियां निबंध में स्त्री विमर्श" विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध - प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है। तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशत: या पूर्णत: इस विद्यालय या किसी अन्य संस्थान में उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है।यह शोध कार्य मैं डॉ. गौरी त्रिपाठी, सहायक प्रध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शक में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

दिनांक : 03/09/2024

Varsha

प्रस्तुतकर्ता

वर्षा साहू

स्नातक हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)

नामांकन सं. - GGV/22/00229

अनुक्रमांक - 22004129

गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

हिन्दी विभाग

.....

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि वर्षा साहू गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2023-24 में चतुर्थ सेमेस्टर स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के नियमित छात्रा है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत महादेवी वर्मा की निबंध संग्रह में "शृंखला की कड़ियाँ में स्त्री विमर्श " शीर्षक विषय पर अधिन्यास कार्य योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान:- बिलासपुर
दिनांक:- 03/09/2024

मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह - प्राध्यापक एवं
अध्यक्ष
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ . गौरी त्रिपाठी
सह – प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1 स्त्री जीवन : वर्तमान संदर्भ	1-4
अध्याय- 2 साहित्य में स्त्री जीवन का चित्रण	5-6
अध्याय- 3 महादेवी वर्मा की स्त्री चेतना और स्त्री अस्मिता का प्रश्न	7-30
अध्याय- 4 शृंखला की कड़ियाँ में स्त्री पराधीनता का स्वरूप	31-59
अध्याय – 5 उपसंहार, संदर्भ सूची	60-62

Scanned with CamScanner